DAINIK BHASKAR (06.08.2016)

स्वाध्याय के बिना प्रभावी व्यक्तित्व का निर्माण संभव नहीं: प्रो. वीरेंद्र चौहान

हरियाणा ग्रंथ अकादमी करेगी पुस्तकों का डिजिटलाइजेशन

फरीदाबाद | अच्छी पुस्तकों के साथ मित्रता और उनका नियमित स्वाध्याय करना जीवन में सफलता का मूलमंत्र है। विश्व में विज्ञान, कारोबार, अध्यात्म व सार्वजनिक जीवन में कामयाबी के कीर्तिमान स्थापित करने वाली अधिकांश विभूतियों को उनकी अध्ययनशीलता ने आगे बढ़ने में सर्वाधिक मदद की। यह कहना है हरियाणा ग्रंथ अकादमी के उपाध्यक्ष प्रो. वीरेंद्र सिंह चौहान का। वे वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय व ग्रंथ अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित परिसंवाद में संबोधन दे रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजय शर्मा ने की।

फरीदाबाद वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित सेमिनार में मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए।

इस दौरान प्रो. चौहान ने कहा कि पुस्तकों के प्रति उनका अनुराग व स्वाध्याय स्वभाव ही स्वामी विवेकानंद व शहीद भगत सिंह जैसे महापुरुषों के व्यक्तित्वों को संवारने व शिखर तक पहुंचाने वाला प्रभावी तत्व बना। वर्तमान समय की जानी-मानी हस्तियां अच्छी किताबें पढ़ने के लिए नियमित रूप से समय निकाल लेती हैं। नई पीढ़ी पुस्तकों से और नियमित स्वाध्याय से दूर जा रही है। यह चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि अकादमी हरियाणा के लोगों में पुस्तकों के प्रति लगाव पैदा करने व भाषाओं के प्रचार-प्रसार के लिए राज्य के स्वर्ण जयंती वर्ष के दौरान प्रदेश व्यापी अभियान चलाएगी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में अकादमी के सभी प्रकाशनों के डिजिटलाइजेशन की योजना तैयार की जा रही है। इसका मकसद है अच्छी पुस्तकों को ई-बुक समेत विभिन्न अत्याधुनिक फॉर्मेटों में उपलब्ध कराकर नई पीढ़ी तक उन्हें पहुंचाना है।

इस मौके पर शिक्षाविद प्रो. चौहान का विश्वविद्यालय परिसर में पहुंचने पर कुलपति प्रो. दिनेश कुमार व कुलसचिव डॉ. संजय शर्मा ने स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन पत्रकारिता विभाग की समन्वयक दिव्य ज्योति ने किया।

HINDUSTAN (06.08.2016)

'युवा पीढ़ी पुस्तकों से दूर जा रही'

फरीदाबाद। हमारे देश की युवा पीढ़ी पुस्तकों के नियमित अध्ययन से दूर जा रही है। यह एक चिंता का विषय है। हरियाणा ग्रंथ अकादमी युवाओं में नियमित अध्ययन के प्रति जागरुकता पैदा करने के लिए पुस्तकों को डिजिटाइजेशन करने की योजना तैयार कर रहा है। यह जानकारी हरियाणा ग्रंथ अकादमी के उपाध्यक्ष प्रोफेसर वीरेंद्र सिंह चौहान ने दी।

उन्होंने शुक्रवार को वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय के एक कार्यक्रम में भाग लेने औद्योगिक नगरी आए थे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अच्छी पुस्तकों के साथ मित्रता और उनका नियमित पढ़ाई की भी आदत डालनी चाहिए।